

महंथ की ही सरकार में मंदिर मार्ग पर शराबियों का कष्ट, महिला भक्त परेशन

मंदिर मार्ग पर सिर चढ़कर बोलता शराबियों का आतंक, जिम्मेदार मौन

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर



शराबियों के आतंक से मंदिर की सायंकाल आसी में नहीं शमिल होती महिला श्रद्धालु

बताते चले कि करमीनी घाट स्थित देवी व अंगृजी शराब की दुकानों के इर्झिंग मासं, मछली, अंडे की दुकानों पर बैठकर शराब पिलाने की वजह से सड़क पर रोजाना जाम रहता है, जिससे सायंकाल में होने वाली मंदिर की आसी में शमिल होने वाली महिला श्रद्धालुओं को शराबियों से दो घार होना पड़ता है वहीं शराब पीने वाले अपने दो पहिया, चार पहिया वाहनों को खाड़ा कर घटा शराब पीने में मरते रहते हैं और आने जाने वाले रहगीर आपर वाहन होने के लिए शराबियों से कहते हैं तो शराब के नाश में लोगों आंखे दिखाते और मारपीट पर उतार हो जाते हैं।

थाना समाधान दिवस आये 171 मामलों में 56 का मौके पर हुआ निस्तारण

जन एक्सप्रेस | देवरिया



जनपद के सभी थानों पर शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थानों पर राजस्व विभाग के अधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा जनता की समस्याओं को सुना गया एवं संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर कई समस्याओं का निस्तारण भी कराया गया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधिकारी उन्नी दीपेंद्र नाथ चौधरी व क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेण्डी द्वारा थाना कोतवाली में जनसमस्याओं को सुना गया तथा जिसके क्रम में थाना कोतवाली पर कुल 7 प्रार्थना पत्र प्राप्त हए जिसके निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर उचित दिशा निर्देश दिये गये। क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर द्वारा थाना रुद्रपुर पर, क्षेत्राधिकारी वरहज द्वारा थाना भरुआनी पर तथा क्षेत्राधिकारी भाटपारगांवी द्वारा थाना खामपार पर जनसमस्याओं को सुना

गया। इस दैरेन पुलिस विभाग एवं थाना खामपार पर प्राप्त 5 प्रार्थना पत्र में से 1 का मौके पर निस्तारण कराया गया तथा थाना सलेमपुर पर 12 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसके निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर उचित दिशा निर्देश दिये गये। क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर द्वारा थाना रुद्रपुर पर, क्षेत्राधिकारी वरहज द्वारा थाना भरुआनी पर तथा क्षेत्राधिकारी भाटपारगांवी द्वारा थाना खामपार व थाना सलेमपुर

नेपाल में बारिश के आगे गोरखपुर-बस्ती मंडल बेबस, रासी और गंडक खतरे के निशान से ऊपर

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर



नेपाल में हो रही लगातार बारिश से गोरखपुर-बस्ती मंडल के जिले के लोग बेबस नजर आ रहे हैं। यहां बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। रासी नदी का जलस्तर बढ़ने से गोरखपुर के छह गांवों बाढ़ के पानी से बिर गए हैं। गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते महराजगंज के कुशीनगर में हो रही कंपिनो बस्ती द्वारा गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते संतकबीरनगर के धनघटा तहसील क्षेत्र के 15 गांवों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नेपाल में हो रही लगातार बारिश से गोरखपुर-बस्ती मंडल के जिले के लोग बेबस नजर आ रहे हैं। यहां बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। रासी नदी का जलस्तर बढ़ने से गोरखपुर के छह गांवों बाढ़ के पानी से बिर गए हैं।

गांवों बाढ़ के पानी से बिर गए हैं। रोहिन हिमालय से निकली है। नेपाल के ताइ वाले क्षेत्र से ये नदियां गुप्ती में प्रवेश करती हैं। इसमें से गंडक नदी पर वाली किनारा में बैंज बना है, जबकि अन्य नदियों में पानी सीधे सैलाब लाता है।

नेपाल के पहाड़ों पर जब भी बारिश होती है तो ढलान के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ने वाला है। वालीकिनगर बैराज में पानी बढ़ने पर एक बार में ही हजारों कर्मसूक पानी छोड़ जाता है। शुक्रवार को गंडक, छोटी गंडक, रासी, सरयू और

गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है।

सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते संतकबीरनगर के धनघटा तहसील क्षेत्र के 15 गांवों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

बाढ़ के पानी से बिर गए हैं। बाढ़ के पानी से बिर गए हैं। बाढ़ के पानी से बिर गए हैं। बाढ़ के पानी से बिर गए हैं।

गांवों बाढ़ के पानी से बिर गए हैं। गंडक खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नदी के किनारे बसे गांवों की हजारों एकड़ खेती द्वारा गंडक

खतरे के निशान को पार कर गई है।

इसके चलते महराजगंज और कुशीनगर में नद

